प्रश्न - सर मेरी शादी कब तक होगी और मेरा वैवाहिक जीवन कैसा रहेगा ?

नमस्कार -

A B C..... आपकी जन्मकुंडली मकर लग्न और तुला राशि की है तथा स्वाति नक्षत्र के दूसरे चरण में आपका जन्म हुआ है शनि, शुक्र, बुध आपकी कुंडली के शुभकारक ग्रह हैं।

आपकी कुंडली में बृहस्पति उच्च राशि में स्थित है तथा वक्री होने से कुंडली के बारहवे भाव में बने बुधादित्य योग पर भी बृहस्पति की शुभ दृष्टि पड़ रही है जो दिखाता है के आप एक बुद्धिमान, विवेकशील और परिपक्व स्वभाव के व्यक्ति हैं, आपकी कुंडली में शुक्र का लग्न में होना आपको उच्च महत्वकांशा रखने वाला व्यक्ति बनायेगा। आपकी कुंडली में लग्नेश शनि का लग्न में ही स्थित होना और सूर्य पर वक्री बृहस्पति की दृष्टि होना आपमें आत्मविश्वास तो अच्छा होगा परंतु आपकी कुंडली में दशम भाव में स्थित चन्द्रमाँ के दोनों और कोई ग्रह न होने से केमद्रुम योग बन रहा है और चन्द्रमाँ पर शनि की शत्रु दृष्टि भी पड़ रही है जिससे आपको मानसिक असस्थिरता रहेगी और मानसिक शान्ति की कमी हमेशा महसूस होगी तथा एंग्जायटी और जल्दी डिप्रेस होने की समस्या भी होगी।

आपकी कुंडली में कुछ बहुत शुभ ग्रहयोग बने हुए हैं जो जीवन में आपको अच्छी उन्नति भी देंगे, आपकी कुंडली में लग्नेश शनि का लग्न में ही स्थित होना बहुत शुभ है जो जीवन में आपको अच्छी प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा देगा, शनि स्वराशि में होने से यहाँ शश योग भी बन रहा है जो करियर में बहुत अच्छी सफलता देता है और उच्च पदों की प्राप्ति कराता है, बृहस्पति का उच्च राशि में होना हंस योग बना रहा है जो आपको एक विवेकशील व्यक्ति बनाएगा और अच्छी सामाजिक प्रतिष्ठा दिलाएगा, आपकी कुंडली में दशमेश शुक्र और लग्नेश शनि का लग्न में एक साथ होना राजयोग कारक भी है जो जीवन में अच्छी सफलता दिलाएगा, आपकी कुंडली में दशमेश शुक्र लग्न में मित्र राशि में होने से बली स्थिति में है तथा आजीविका का नैसर्गिक कारक शनि भी स्वराशि में होकर बलवान है जिससे आपके करियर ये आजीविका की स्थिति अच्छी होगी करियर में अच्छी सफलता मिलेगी, इसके अलावा लाभेश मंगल की लाभस्थान पर दृष्टि होने से कुंडली का लाभ स्थान बहुत बली है तथा धन भाव का स्वामी शनि भी अच्छी स्थिति में है जो दिखाता है के आपका धन लाभ और आर्थिक स्थिति अच्छी और समृद्ध होगी तथा भौतिक संसाधनों की अच्छी प्राप्ति होगी।

अब विशेष रूप से आपने जो अपने विवाह और वैवाहिक जीवन को लेकर प्रश्न किया है उसे देखते हैं, आपकी कुंडली में सप्तमभाव (वैवाहिक जीवन का भाव) में केतु और बृहस्पति स्थित हैं और सप्तमेश चन्द्रमा दशम

भाव में है तथा सप्तम भाव और सप्तमेश चन्द्रमाँ दोनों पर शनि की भी शत्रु दृष्टि पड़ रही है जिससे आपकी कुंडली में वैवाहिक जीवन श्रेष्ठ स्थिति में तो नहीं है अर्थात वैवाहिक जीवन में कुछ ना कुछ उतार चढ़ाव की स्थिति तो रहेगी सप्तम भाव पर राहु केतु और शनि का नकारात्मक प्रभाव होने से विवाह होने में भी अड़चने आती है पर आपकी कुंडली में क्योंकि विवाह और पत्नी का नैसर्गिक कारक शुक्र लग्न में मित्र राशि में होने से अच्छी स्थिति में है इसलिए वैवाहिक जीवन में आने वाले उतार चढ़ाव बड़ा रूप नहीं लेंगे तो कुल मिलाकर आपके वैवाहिक जीवन का स्तर मध्यम रहेगा। आपकी कुंडली की ग्रहस्थिति के अनुसार आपका विवाह आपके घर से दक्षिण या पश्चिम दिशा में होने की सम्भावना है, आपकी कुंडली में क्योंकि सप्मेश चन्द्रमाँ दशम भाव में स्थित है जो दिखाता है के आपकी पत्नी वर्किंग होगी, आपके लिए सहायक होगी और टीचिंग या किसी कलात्मक कार्य से जुड़ा कार्य करने वाली होगी आपकी कुंडली में सप्तमेश चन्द्रमाँ दशम भाव (करियर का भाव) में स्थित है तथा विवाह कारक ग्रह शुक्र आजीविका कारक शनि के साथ स्थित है जो दिखाता है के विवाह के बाद आपके जीवन में अच्छा परिवर्तन और करियर में सफलता मिलेगी।

वर्तमान समय में आपकी कुंडली में बृहस्पति की महादशा (1/6/2004 से 1/6/2020) में चन्द्रमाँ की अंतर्दशा (1/10/2015 से 30/1/2017) चल रही है बृहस्पति आपकी कुंडली का शुभ कारक ग्रह नहीं है इसलिए यह समय आपके लिए मध्यम ही रहेगा पर विशेष रूपसे आपके विवाह के समय को देखें तो वर्तमान समय में गोचरवश बृहस्पति कन्या राशि में चल रहा है जो अगले एक वर्ष तक इसी स्थिति में रहेगा अगले एक वर्ष तक बृहस्पति का कन्या राशि में गोचर आपके लिए शुभ और उन्नति देने वाला रहेगा पर 12 सितंबर 2017 को बृहस्पति का तुला राशि में प्रवेश होगा जिससे आपकी कुंडली के सप्तमेश चन्द्रमाँ को बल मिलेगा अतः 12 सितम्बर 2017 को बृहस्पति के तुला राशि में आने पर आपके विवाह का योग बन जायेगा और सितम्बर 2017 के बाद के छः आठ माह में विवाह होनी की प्रबल सम्भावना होगी। पर जैसा हमने आको पहले बताया है के आपकी कुंडली में बने कुछ ग्रहयोगों के कारण विवाह होने में अड़चने उपस्थित होंगी तो इसके लिए आपको कुछ ज्योतिषीय उपाय भी आपको नियमित रूप से करने होंगे जो हम आपको आगे बता रहे हैं।

वर्तमान समय में आपकी कुंडली में बृहस्पति की महादशा चल रही है जो जून 2020 तक रहेगी बृहस्पति आपकी कुंडली में उच्च राशि में तो है पर कुंडली का शुभकारक ग्रह नहीं है इसलिए जीवन में पूर्ण सफलता नहीं देगा पर 1 जून 2020 से आपकी कुंडली में शनि की महादशा शुरू होगी जो जून 2039 तक रहेगी शनि आपकी कुंडली का शुभकारक ग्रह है और स्वराशि में भी है और वर्गोत्तमी भी है जिससे शनि की महादशा

आपके लिए बहुत शुभफलकारी होगी और जीवन की वास्तविक सफलता और भाग्योदय 2020 में शनि की दशा शुरू होने के बाद ही होगा।

आपकी कुंडली के वीक पॉइंट्स, अच्छे वैवाहिक जीवन और जीवन की सफलता के लिए हम आपको कुछ विशेष ज्योतिषीय उपाय बता रहे हैं जो आपके लिए सहायक होंगे।.....

उपाय -

1. ओपल सवासात रत्ती चाँदी में सीधे हाथ की मध्यमा ऊँगली में शुक्रवार को धारण करें। या ओपल का लॉकेट गले में पहने।

2. पन्ना सवासात रत्ती चाँदी में सीधे हाथ की कनिष्ठा उंगली (छोटी उंगली) में बुधवार को धारण करें। या पन्ने का लॉकेट गले में पहने।

3. ॐ बृम बृहस्पते नमः का जाप करें (एक माला रोज)

4. ॐ सोम सोमाय नमः का जाप करें (एक माला रोज)

5. प्रत्येक शनिवार को 250 ग्राम चावल और 250 ग्राम उडद की दाल को आपस में मिलाकर गरीब व्यक्ति को दान करें।

6. प्रतिदिन कुत्तों को भोजन दें।

7. शनिवार को पीपल पर सरसों के तेल का दिया जलाएं।

8. प्रत्येक सोमवार को दूध और जल के मिश्रण से शिवलिंग का अभिषेक करें।

9. प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।

।। श्री हनुमते नमः।।